[LESSON - 4]

जनन स्वास्थ्य
(Reproductive Health)

☆ **जनन स्वास्थ्य - समस्याएं एवं कार्यनीतियाँ** - जनन के सभी पहलुओं सहित एक सम्पूर्ण स्वास्थ्य जनन स्वास्थ्य कहलाता है

भारत में जनन स्वास्थ्य की समस्याओं के मुख्य कारण हैं

(i) अशिक्षित समाज
(ii) बाल विवाह
(iii) कम उम्र में गर्भधारण
(iv) यौन शिक्षा की कमी
(v) यौन सम्बन्धी रोगों की जानकारी न होना।

NOTE 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस तथा 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।

सन् 1997 ई० में भारत देश में एक व्यापक कार्यनीति की शुरुआत हुई जिसे -

"जनन एवं शिशु स्वास्थ सेवा कार्यक्रम"

[Reproductive and child Health care Progarme or RCH Progarme]

जिसे आज "परिवार कल्याण" के नाम से जाना जाता है।

जन्म नियन्त्रण या परिवार नियोजन

जन्म नियन्त्रण में निम्नलिखित विधियां अपनायी जाती है।

(1) अस्थाई विधियाँ →

(i) प्राकृतिक विधियाँ-

- सम्भोग अवधान
- आवधिक संयम
- स्तनपान अनार्तव

(ii) यान्त्रिक विधियां-

- निरोध (condom)

- अविकल टोपी
- अन्तः गर्भाशय युक्ति

(iii) **रासायनिक विधियाँ** - इनमें जैली फोम, क्रीम जैसे शुक्राणुनाशक तथा मुखीय गोली जैसे - सहेली, माली डी॰ आदि का उपयोग किया जाता है

(iv) **अस्थाई विधियाँ**

- पुरुष नसबन्दी
- महिला नसबन्दी

सगर्भता चिकित्सीय समापन

गर्भावस्था पूर्ण होने से पहले स्वैच्छिक रूप से गर्भ समापन को प्रेरित गर्भपात या सगर्भता चिकित्सीय समापन कहते हैं भारत सरकार ने 1971 में इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कानूनी स्वीकृति प्रदान की थी।

☆ यौन संचरित संक्रमण

वे संक्रमण जो सम्भोग के समय यौन सम्बन्धों द्वारा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संचरित होते हैं यौन संचरित संक्रमण कहलाते हैं।

- सुजाक
- उपदंश
- एड्स रोग
- जननांगों की हर्पिस

☆ बंध्यता

विश्व में अनेकों दम्पत्ति बन्ध्य हैं अर्थात् सम्भोग करने के पश्चात् भी दम्पत्ति द्वारा सन्तानोत्पत्ति नहीं कर पाना बन्ध्यता या बांझपन कहलाता है।